भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 17 नवंबर, 2026
जारी करने का समय:1330 घंटे

विषय :(i) दक्षिण और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के मध्य भागों में बना चक्रवाती तूफान "अकवान" [उच्चारण: अकवान], आज 17 नवंबर, 2026 की शाम के आसपास पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक 'गंभीर चक्रवाती तूफान' (Severe Cyclonic Storm) में तब्दील हो सकता है। इसके बाद, 19 नवंबर की सुबह के आसपास इसके और अधिक तीव्र होकर एक 'बहुत गंभीर चक्रवाती तूफान' (Very Severe Cyclonic Storm) में बदलने की संभावना है।
(ii) इस प्रणाली के प्रभाव के कारण, 19-20 नवंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है, जबकि कहीं-कहीं अत्यधिक भारी बारिश भी हो सकती है। इसके अलावा, 20 और 21 नवंबर को तेलंगाना में भी कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

आज, 17 नवंबर 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक, पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज किया गया मौसम:

- पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में घना से बहुत घना कोहरा (दृश्यता < 50 मीटर) देखा गया, जबकि ओडिशा, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम के कुछ हिस्सों में घना कोहरा (दृश्यता < 200 मीटर) दर्ज किया गया।
- दृश्यता (< 200 मीटर) इस प्रकार रही: ओडिशा: राउरकेला (सुंदरगढ़ जिला) 50.0; पश्चिमी उत्तर प्रदेश: बरेली (बरेली जिला) 00.

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (परिशिष्ट I और II):

- 16 नवंबर को 1730 बजे IST पर, दक्षिण-पूर्व और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना 'डीप डिप्रेशन' और तेज़ होकर एक चक्रवाती तूफान 'अकवान' [उच्चारण: अकवान] में बदल गया। यह तूफान दक्षिण और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के मध्य भागों में स्थित था। आज, 17 नवंबर 2026 को 0830 बजे IST पर, यह धीरे-धीरे उत्तर-उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़ा और उसी क्षेत्र में केंद्रित रहा। इसके आगे भी धीरे-धीरे उत्तर-उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़ने और आज, 17 नवंबर 2026 की शाम के आसपास पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक 'गंभीर चक्रवाती तूफान' (Severe Cyclonic Storm) में तब्दील होने की प्रबल संभावना है। इसके बाद, इसके उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़ने और 19 नवंबर की सुबह के आसपास एक 'बहुत गंभीर चक्रवाती तूफान' (Very Severe Cyclonic Storm) में और अधिक तीव्र होने की संभावना है। उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए, 20 नवंबर 2026 की दोपहर के आसपास, इसके आंध्र प्रदेश और यनम तटों पर नेल्लोर और टुनी के बीच से गुजरने की संभावना है। उस समय यह एक 'बहुत गंभीर चक्रवाती तूफान' के रूप में होगा, जिसमें हवा की निरंतर गति 120-130 किमी प्रति घंटा होगी, जो झोंकों के साथ 145 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है।
- निचले वायुमंडल (lower tropospheric levels) में, उत्तर-पूर्व असम और उसके आसपास के क्षेत्रों में एक चक्रवाती परिसंचरण (cyclonic circulation) बना हुआ है।
- निचले वायुमंडल (lower tropospheric level) में, सिक्किम और उसके आसपास के क्षेत्रों में एक चक्रवाती परिसंचरण (cyclonic circulation) बना हुआ है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- 17 से 23 नवंबर के दौरान केरल और माहे, तथा तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 22 से 23 नवंबर के दौरान लक्षद्वीप में; 21 से 23 नवंबर के दौरान तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; 18 नवंबर को तथा 22 से 23 नवंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 18 से 19 नवंबर और 21 से 23 नवंबर के दौरान रायलसीमा में; तथा 19 नवंबर और 22 से 23 नवंबर के दौरान तेलंगाना में कहीं-कहीं से लेकर छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- 19 से 21 नवंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 20 नवंबर को रायलसीमा में; और 20 से 21 नवंबर के दौरान तेलंगाना में काफी व्यापक से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- 19 से 20 नवंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कहीं-कहीं गरज के साथ बारिश, बिजली गिरने और तेज हवाएं (80-90 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक) चलने की संभावना है। इसके अलावा, 18 से 20 नवंबर के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 21 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; तथा 18 से 21 नवंबर के दौरान रायलसीमा में तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार, जो 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है।
- 19 नवंबर को तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 18 और 21 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; तथा 19 से 20 नवंबर के दौरान रायलसीमा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 20 से 21 नवंबर के दौरान तेलंगाना में भी कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- 19 से 20 नवंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कहीं-कहीं अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है। 18 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में आंधी-तूफान (हवा की गति 60-70 किमी प्रति घंटा, जो झोंकों के साथ 80 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है) आने की संभावना है। इसके अलावा, 19 और 20 नवंबर को भी यहां आंधी-तूफान (हवा की गति 100-110 किमी प्रति घंटा, जो झोंकों के साथ 120 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है) आने के आसार हैं।

मध्य भारत:

- 21-22 नवंबर को पश्चिमी मध्य प्रदेश; 20-23 नवंबर को पूर्वी मध्य प्रदेश; 20-22 नवंबर को विदर्भ; और 18-19 नवंबर तथा 22-23 नवंबर को छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- 20-21 नवंबर को छत्तीसगढ़ में काफी बड़े हिस्से में या लगभग सभी जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- 21 नवंबर को पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ में, तथा 20-21 नवंबर को छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं गरज-चमक, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा, जो झोंकों के साथ 60 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती हैं) चलने की संभावना है।
- 21 नवंबर को पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ में, तथा 20-21 नवंबर को छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- 17-18 नवंबर को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह; 19-21 नवंबर को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और ओडिशा; तथा 20-21 नवंबर को झारखंड में काफी बड़े हिस्से में या लगभग सभी जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- 19-23 नवंबर को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह; 17 नवंबर को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 18 नवंबर और 22-23 नवंबर को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और ओडिशा; 19 नवंबर और 22-23 नवंबर को झारखंड; तथा 21 नवंबर को बिहार में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है। 18 नवंबर को ओडिशा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा, झोंकों के साथ 60 किमी प्रति घंटा तक) चलने की संभावना है। इसके अलावा, 17-20 नवंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में, और 19-21 नवंबर के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल (Gangetic West Bengal) में तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटा, झोंकों के साथ 50 किमी प्रति घंटा तक) चलने की संभावना है।

- 19-21 नवंबर के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में, 20-21 नवंबर के दौरान झारखंड में, और 18 नवंबर को ओडिशा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 19-21 नवंबर के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश भी हो सकती है।
- 19-21 नवंबर के दौरान ओडिशा में आंधी-तूफान (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा, झोंकों के साथ 70 किमी प्रति घंटा तक) आने की संभावना है।

पश्चिम और पूर्वोत्तर भारत:

- इस सप्ताह पश्चिम और पूर्वोत्तर भारत में मौसम में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।

कोहरे की चेतावनी:

- 17-18 नवंबर के दौरान पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; और 19-21 नवंबर के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में घना कोहरा छाए रहने की प्रबल संभावना है।

हवा को लेकर चेतावनी:

- दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी: यहाँ अभी 70-80 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल रही हैं, जो झोंकों के साथ 90 किमी/घंटा तक पहुँच सकती हैं। 17 नवंबर की सुबह से इनके 80-90 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 100 किमी/घंटा तक) होने की संभावना है। 18 नवंबर को ये 60-70 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 80 किमी/घंटा तक) रहेंगी और उसके बाद कम हो जाएंगी।
- दक्षिण-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी: यहाँ अभी 65-75 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल रही हैं, जो झोंकों के साथ 85 किमी/घंटा तक पहुँच सकती हैं। 17 नवंबर की सुबह से इनके 70-80 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 90 किमी/घंटा तक) होने की संभावना है। 18 नवंबर को ये 100-110 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 120 किमी/घंटा तक) हो सकती हैं, और 19 व 20 नवंबर को 60-70 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 80 किमी/घंटा तक) रहेंगी।
- पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी: यहाँ अभी 70-80 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल रही हैं, जो झोंकों के साथ 90 किमी/घंटा तक पहुँच सकती हैं। 18 नवंबर की सुबह से इनके बढ़कर 100-110 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 120 किमी/घंटा तक) होने की संभावना है। 19 नवंबर की शाम से 20 नवंबर को तट से टकराने (लैंडफॉल) तक, इनकी रफ्तार 120-130 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 145 किमी/घंटा तक) हो सकती है। इसके बाद ये धीरे-धीरे कम हो जाएंगी।
- पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी: यहाँ 18 नवंबर की शाम तक 50-60 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं (झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है, जिसके बाद ये कम हो जाएंगी।
- उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी: यहाँ 18 नवंबर की रात से 40-50 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं (झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है। 19 नवंबर की सुबह से 20 नवंबर तक इनके बढ़कर 50-60 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक) होने की संभावना है।
- उत्तरी तमिलनाडु और पुडुचेरी के तटों के पास: 18 नवंबर तक हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी प्रति घंटा तक) रहने की संभावना है। 19 और 20 नवंबर को यह गति बढ़कर 50-60 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 70 किमी प्रति घंटा तक) हो सकती है।
- आंध्र प्रदेश और यनम के तटों के पास: 17 नवंबर तक हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी प्रति घंटा तक) रहने की संभावना है। इसके बाद हवा की गति धीरे-धीरे बढ़ेगी; 18 नवंबर की शाम से यह 60-70 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 80 किमी प्रति घंटा तक) हो सकती है। 19 नवंबर की रात से 20 नवंबर को तट से टकराने (लैंडफॉल) तक, हवा की गति 120-130 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 145 किमी प्रति घंटा तक) तक पहुँच सकती है। इसके बाद हवा की गति धीरे-धीरे कम हो जाएगी।
- ओडिशा तट के पास: 18 नवंबर की रात को हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी प्रति घंटा तक) रहने की संभावना है। 19 नवंबर की सुबह से 20 नवंबर तक यह गति बढ़कर 50-60 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 70 किमी प्रति घंटा तक) हो सकती है।

समुद्र की स्थिति:

- दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी: 18 नवंबर तक समुद्र की स्थिति बहुत खराब से लेकर अत्यंत खराब (high) रहने की संभावना है, जिसके बाद इसमें सुधार आएगा।
- दक्षिण-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी: वर्तमान में समुद्र की स्थिति बहुत खराब से लेकर अत्यंत खराब (high) है। 20 नवंबर तक इसके और खराब होकर 'अत्यंत खराब' (high to very high) होने की संभावना है, जिसके बाद इसमें सुधार आएगा।
- पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी: वर्तमान में समुद्र की स्थिति 'अत्यंत खराब' (high) है। 17 नवंबर की दोपहर से 18 नवंबर तक इसके और खराब होकर 'अत्यंत खराब' (high to very high) होने की संभावना है। 19 नवंबर से 20 नवंबर को तट से टकराने (लैंडफॉल) तक, स्थिति 'अत्यंत खराब' से लेकर 'बेहद खतरनाक' (very high to phenomenal) हो सकती है। इसके बाद स्थिति में सुधार आएगा और 21 नवंबर की सुबह तक यह 'काफी खराब' से 'खराब' (very rough to rough) स्तर पर आ जाएगी।
- पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी: 18 नवंबर तक समुद्र की स्थिति 'खराब' से लेकर 'बहुत खराब' (rough to very rough) रहने की संभावना है।
- उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी: 18 नवंबर की रात से 20 नवंबर तक समुद्र की स्थिति खराब से बहुत खराब रहने की प्रबल संभावना है।
- उत्तरी तमिलनाडु और पुडुचेरी के तटों के पास: 20 नवंबर तक समुद्र की स्थिति खराब से बहुत खराब रहने की प्रबल संभावना है।
- आंध्र प्रदेश और यनम के तटों के पास: 17 नवंबर को समुद्र की स्थिति खराब से बहुत खराब रहने की प्रबल संभावना है। इसके धीरे-धीरे और खराब होने की आशंका है; 18 नवंबर को यह 'बहुत खराब' से 'अत्यधिक खराब' (high) हो सकती है, 19 नवंबर की सुबह 'अत्यधिक खराब' से 'बेहद खराब' (very high) हो सकती है, और 19 नवंबर की शाम से 20 नवंबर को लैंडफॉल (तट से टकराने) के समय तक स्थिति 'अत्यधिक भीषण' (phenomenal) हो सकती है। 21 नवंबर की सुबह तक स्थिति में सुधार होने और इसके 'बहुत खराब' से 'खराब' स्तर पर आने की संभावना है।
- ओडिशा तट के पास: 18 नवंबर की रात से 20 नवंबर तक समुद्र की स्थिति खराब से बहुत खराब रहने की प्रबल संभावना है।

स्टॉर्म सर्ज (तूफानी लहरों) की चेतावनी:

- लैंडफॉल के समय, सामान्य ज्वार-भाटा (astronomical tide) के स्तर से 1.0 से 2.0 मीटर ऊंची तूफानी लहरें (storm surge) आंध्र प्रदेश के निचले इलाकों (प्रकाशम, बापटला, कृष्णा, पश्चिम गोदावरी, कोनासीमा और काकीनाडा जिले) में पानी भर सकती हैं। बापटला, कृष्णा और पश्चिम गोदावरी जिलों में 20 नवंबर की सुबह से दोपहर तक इन लहरों का असर सबसे अधिक रहने की आशंका है, जिसके बाद धीरे-धीरे स्थिति में सुधार होगा। हालांकि, 20 नवंबर को सुबह से शाम तक इन जिलों के तटों के पास सामान्य ज्वार-भाटा के स्तर से 0.5 मीटर ऊंची तूफानी लहरें बनी रह सकती हैं।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:

- 18 नवंबर तक दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी।
- 20 नवंबर तक दक्षिण-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी।
- 20 नवंबर तक पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी।
- 18 नवंबर तक पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी।
- 19 से 20 नवंबर के दौरान उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी।

अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

मछुआरों की चेतावनी के लिए: https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php

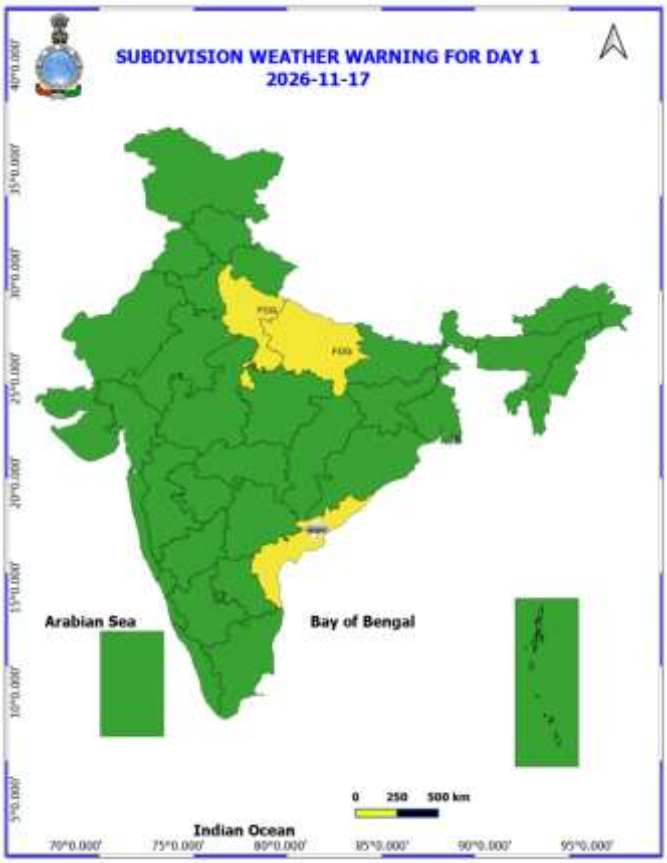
अनुलग्नक I

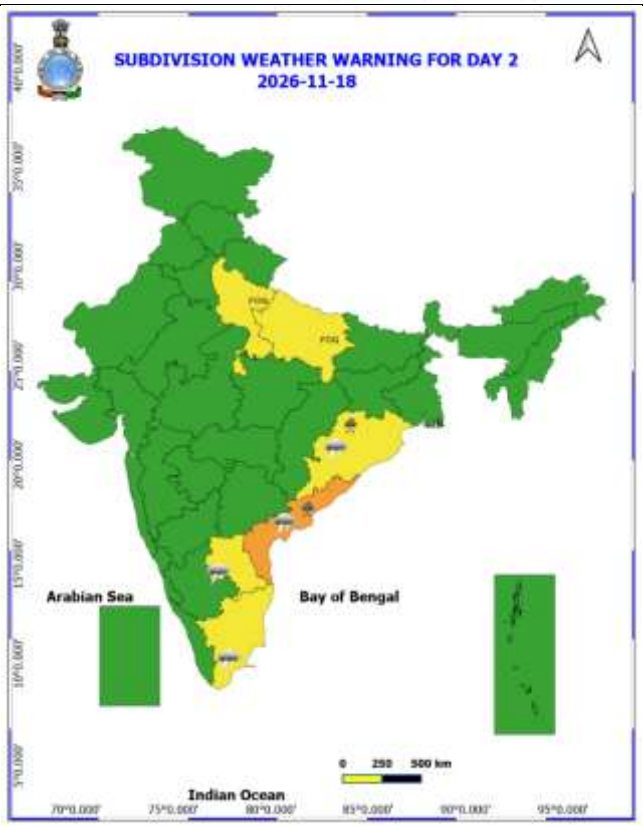
Table-1

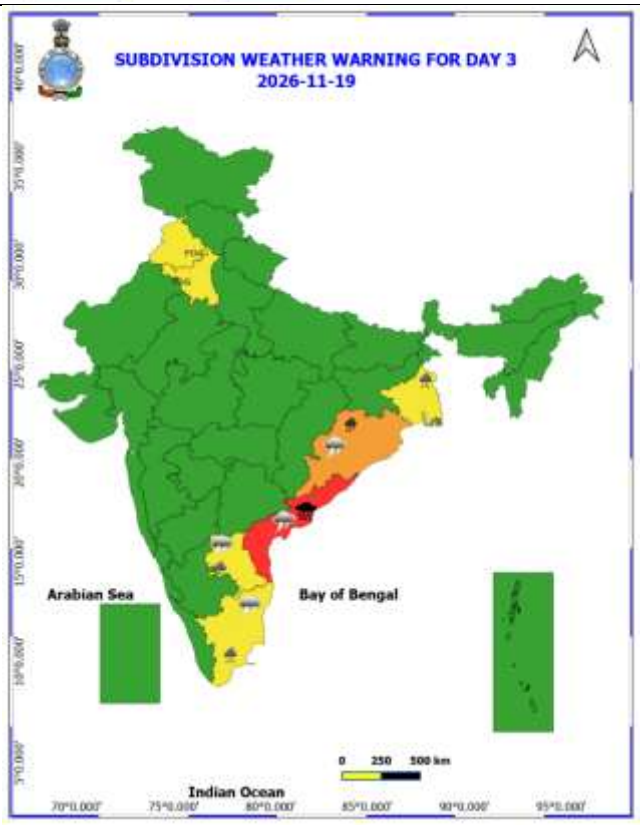
7 Days Rainfall Forecast

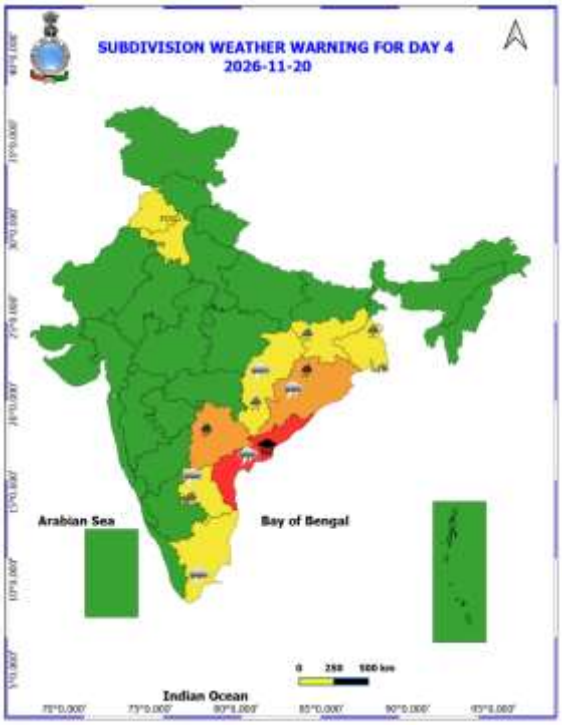
S.No.	Subdivision	17- Nov	18- Nov	19- Nov	20- Nov	21- Nov	22- Nov	23- Nov
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	ISOL	DRY	DRY	ISOL	SCT	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
6	GANGETIC WEST BENGAL	DRY	ISOL	FWS	FWS	FWS	SCT	ISOL
7	ODISHA	DRY	ISOL	FWS	[illegible]	FWS	SCT	ISOL
8	JHARKHAND	DRY	DRY	ISOL	FWS	FWS	SCT	ISOL
9	BIHAR	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	DRY	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	ISOL	SCT	SCT	ISOL
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
25	MARATHWADA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
27	CHHATTISGARH	DRY	ISOL	SCT	FWS	FWS	ISOL	ISOL
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	DRY	ISOL	FWS	[illegible]	FWS	SCT	ISOL
29	TELANGANA	DRY	DRY	ISOL	FWS	[illegible]	SCT	ISOL
30	RAYALASEEMA	DRY	ISOL	SCT	FWS	SCT	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
36	LAKSHADWEEP	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	SCT	SCT

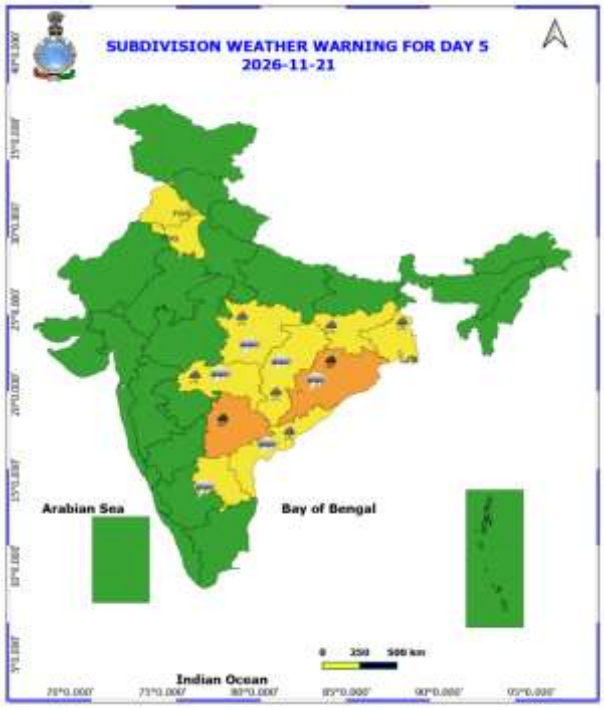
- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।

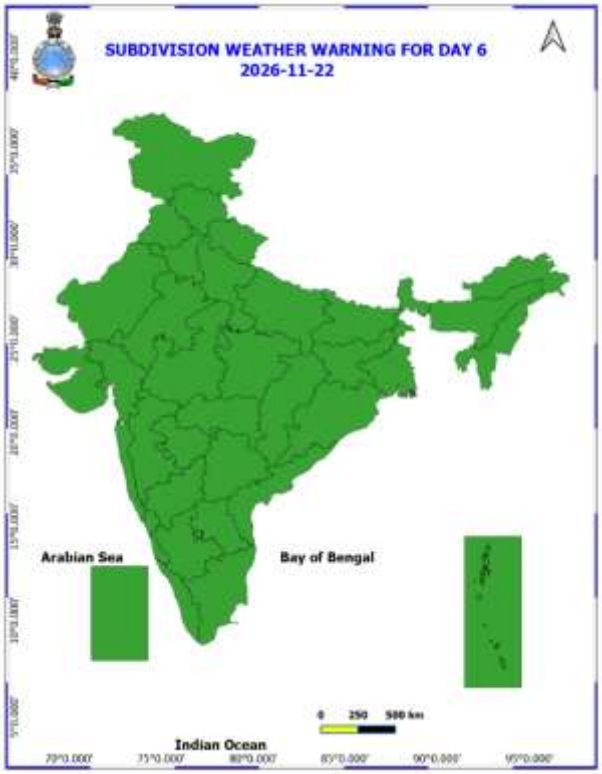

SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2026-11-17
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

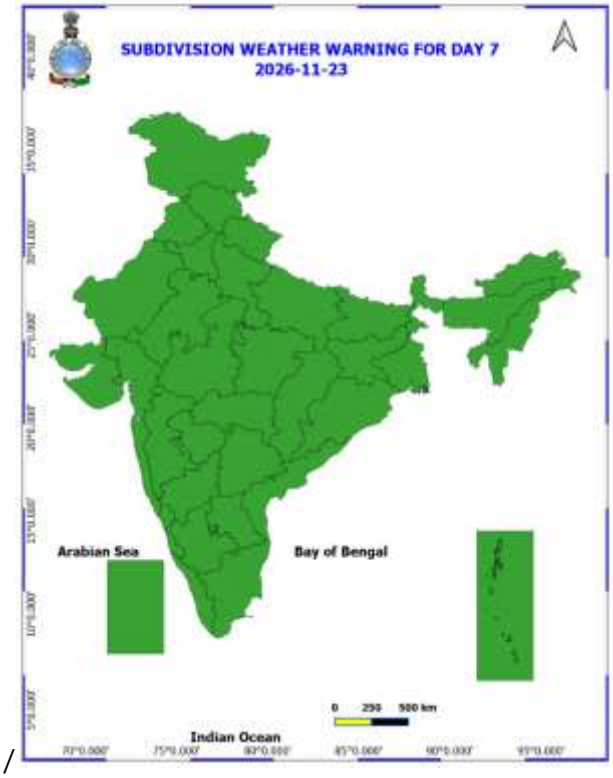

SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2026-11-18
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km


SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2026-11-19
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km









/

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक III

17 नवंबर से 20 नवंबर 2026 के दौरान दिल्ली/NCR के लिए मौसम का पूर्वानुमान

पिछले 24 घंटों का मौसम:
पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान में 2-3°C और न्यूनतम तापमान में 1-3°C की गिरावट आई है। इस दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 26-27°C और न्यूनतम तापमान 12-15°C के बीच दर्ज किया गया। दिल्ली में न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। वहीं, कुछ जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहा, जबकि दिल्ली के बाकी हिस्सों में यह सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) बना रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान मुख्य रूप से साफ रहा और दक्षिण-पश्चिम दिशा से 20 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चलीं। आज सुबह के समय भी आसमान मुख्य रूप से साफ रहा और दक्षिण-पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चलीं।

मौसम का पूर्वानुमान:

17.11.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। दिल्ली में अधिकतम तापमान 26-28°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा। दोपहर के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से हवाएं चलने की संभावना है, जिनकी गति 15 किमी प्रति घंटे तक हो सकती है। शाम और रात के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने वाली हवाओं की गति कम होकर 10 किमी प्रति घंटे तक रह सकती है।

18.11.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। सुबह के समय ज्यादातर जगहों पर धुंध/हल्का कोहरा रहेगा, जबकि कुछ जगहों पर मध्यम कोहरा छा सकता है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 25°C से 27°C और न्यूनतम तापमान 12°C से 14°C के बीच रहने की संभावना है। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, जबकि कुछ जगहों पर यह सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) हो सकता है। दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहने के आसार हैं। सुबह के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा की गति 10 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। दोपहर के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा की गति कम होकर 08 किमी प्रति घंटा तक रह सकती है। शाम और रात के समय हवा शांत रहेगी और धीरे-धीरे उत्तर दिशा से 05 किमी प्रति घंटा की गति तक पहुंच सकती है।

19.11.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। सुबह के समय ज्यादातर जगहों पर हल्का कोहरा और कुछ जगहों पर मध्यम कोहरा छा सकता है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 24°C से 26°C और न्यूनतम तापमान 11°C से 13°C के बीच रहने की संभावना है। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, जबकि दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहने के आसार हैं। सुबह के समय हवा शांत रहेगी और धीरे-धीरे उत्तर दिशा से 05 किमी प्रति घंटा की गति तक पहुंच सकती है। दोपहर के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा की गति बढ़कर 10 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। शाम और रात के समय हवा शांत रहेगी और धीरे-धीरे पूर्व दिशा से 05 किमी प्रति घंटा की गति तक पहुंच सकती है।

20.11.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। सुबह के समय ज़्यादातर जगहों पर हल्का कोहरा और कुछ जगहों पर मध्यम कोहरा रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 24°C से 26°C और न्यूनतम तापमान 11°C से 13°C के बीच रहने का अनुमान है। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, जबकि दिल्ली के ज़्यादातर हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। सुबह के समय ज़मीनी हवाएँ शांत रहेंगी और धीरे-धीरे दक्षिण-पूर्व दिशा से 05 kmph की गति तक पहुँच सकती हैं। दोपहर के समय हवा की गति बढ़कर उत्तर-पूर्व दिशा से 10 kmph तक पहुँच जाएगी। शाम और रात के समय हवाएँ शांत रहेंगी और धीरे-धीरे पूर्व दिशा से 05 kmph की गति तक पहुँच सकती हैं।

अत्यधिक/ बहुत भारी बारिश के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- 19-20 नवंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है, और कहीं-कहीं अत्यधिक भारी बारिश भी हो सकती है।
- इसके अलावा, 20-21 नवंबर के दौरान तेलंगाना में और 19-21 नवंबर के दौरान ओडिशा में भी कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

संभावित असर:

- पेड़ों की टहनियाँ टूट सकती हैं और केले, पपीते, सहजन जैसे छोटे पेड़ उखड़ सकते हैं। तेज़ हवा और बारिश से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- तेज़ हवा और बारिश के कारण कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान हो सकता है।
- हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- छोटे जहाज़, ट्रॉलर और नावें प्रभावित हो सकती हैं।
- भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- निचले इलाकों में कहीं-कहीं भूस्खलन, कीचड़ का बहाव, ज़मीन खिसकने, जलभराव और बाढ़ की स्थिति बन सकती है।
- भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- हेलीकॉप्टर सेवाएँ प्रभावित हो सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे आश्रय न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- बिजली गिरने की आशंका होने पर, बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, तुरंत जलाशयों से बाहर निकलें और बिजली का संचालन करने वाली सभी चीज़ों से दूर रहें।
- पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को नियंत्रित किया जाना चाहिए।
- तट के पास और समुद्र में होने वाली गतिविधियों को समझदारी से नियंत्रित किया जाना चाहिए।
- हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित किया जाना चाहिए।

रात/सुबह के समय घने कोहरे का असर होने की संभावना:

- 17-18 नवंबर के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; और 19-21 नवंबर के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली तथा पंजाब में घना कोहरा छाए रहने की प्रबल संभावना है।

- परिवहन और विमानन:
  - इस क्षेत्र के कुछ हवाई अड्डों, राजमार्गों और रेल मार्गों पर असर पड़ सकता है।
  - कोहरे के कारण गाड़ी चलाना मुश्किल हो सकता है और यात्रा में अधिक समय लग सकता है।
  - अगर सावधानी नहीं बरती गई, तो सड़क दुर्घटनाएं हो सकती हैं।

- बिजली क्षेत्र:
  - बहुत घने कोहरे वाले इलाकों में बिजली की लाइनें ट्रिप (बंद) हो सकती हैं।
- मानव स्वास्थ्य:

•फेफड़ों से जुड़ी समस्याएं: घने कोहरे में धूल-कण और अन्य प्रदूषक तत्व होते हैं। इनके संपर्क में आने पर ये फेफड़ों में जमा हो सकते हैं, जिससे फेफड़ों की कार्यक्षमता कम हो जाती है। इससे घरघराहट, खांसी और सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं।

•अस्थमा और ब्रोंकाइटिस के मरीजों पर असर: घने कोहरे के लंबे समय तक संपर्क में रहने से अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों से जुड़ी अन्य बीमारियों वाले लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो सकती है।

•आंखों में जलन: घने कोहरे में कई तरह के प्रदूषक तत्व होते हैं। इनके संपर्क में आने से आंखों की झिल्ली में जलन हो सकती है, जिससे संक्रमण हो सकता है और आंखें लाल हो सकती हैं या उनमें सूजन आ सकती है।

सुझाए गए उपाय:

- परिवहन और विमानन:

  •गाड़ी चलाते समय या किसी भी वाहन से यात्रा करते समय सावधानी बरतें।

  •गाड़ी चलाते समय फॉग लाइट्स (कोहरे में इस्तेमाल होने वाली लाइटें) का उपयोग करें।

  •अपनी यात्रा के शेड्यूल के बारे में एयरलाइंस, रेलवे और राज्य परिवहन विभाग के संपर्क में रहें।

- बिजली क्षेत्र:

  •मेंटेनेंस टीम को तैयार रखें।

  •मानव स्वास्थ्य: जब तक बहुत जरूरी न हो, बाहर न निकलें और बाहर जाते समय अपना चेहरा ढक कर रखें।

भारी बारिश की संभावना को देखते हुए कृषि-मौसम सलाह

- तटीय आंध्र प्रदेश में, धान, मक्का, मूंगफली, कपास और सब्जियों की तैयार फसलों के साथ-साथ केले और पपीते के पके फलों की तुरंत कटाई/तुड़ाई कर लें और उपज को किसी सुरक्षित स्थान पर रखें। रबी फसलों, जैसे मूंग, उड़द, मक्का और सनई की बुआई को फिलहाल टाल दें। धान, अरहर, कपास, मक्का, गन्ना, हल्दी, अदरक, रामतिल (नाइजर), राजमा, रागी और सब्जियों के खेतों; केले के बागानों; और पहले से बोई गई रबी मक्का व सनई की फसलों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए उचित प्रबंध करें। तेज हवाओं से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए केले, कॉफी, काली मिर्च और अन्य बागानी फसलों को उचित सहारा (सपोर्ट) दें।
- रायलसीमा में, तैयार फलों और सब्जियों की कटाई/तुड़ाई कर लें। धान, दालों और सब्जियों जैसी खड़ी फसलों के खेतों में मेड़ों को मजबूत करें और अतिरिक्त पानी निकालने के लिए जल निकासी चैनलों (नालियों) को साफ रखें। तेज हवाओं के कारण फसलों को गिरने से बचाने के लिए केले के पौधों को सहारा दें और सब्जियों की फसलों में भी डंडों का सहारा (स्टेकिंग) लगाएं। मूंगफली, सूरजमुखी, अरहर, बाजरा, कम अवधि वाली दालों और चारे वाली फसलों जैसी रबी फसलों की बुआई को अभी टाल दें।
- ओडिशा में, धान, मक्का, रागी, मूंग, उड़द, मूंगफली और मौसमी सब्जियों की तैयार फसलों की तुरंत कटाई कर लें और उपज को किसी सुरक्षित व ढकी हुई जगह पर रखें। कपास के पूरी तरह से खुले हुए टिंडों (बॉल्स) को चुन लें और उन्हें सुरक्षित स्थान पर रखें। टमाटर, मिर्च और बैंगन जैसी सब्जियों की नर्सरियों को प्लास्टिक कवर या पॉलीथीन शीट से ढक दें। धान के खेतों, सब्जियों की नर्सरियों और हाल ही में बोई गई सरसों, मूंगफली, मूंग व उड़द की फसलों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें। कमजोर पौधों को लकड़ी की छड़ियों या बांस के डंडों का सहारा दें।
- तेलंगाना में, खरीफ धान, मक्का और हल्दी की तैयार फसलों की कटाई कर लें और उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें। धान की नर्सरी लगाने और रबी फसलों, जैसे ज्वार, मक्का, तिल, सूरजमुखी, कुसुम, चना, सरसों, मूंगफली, लोबिया, उड़द और मूंग की बुआई को फिलहाल टाल दें। ज्वार, मक्का, मूंगफली और चने के जिन खेतों में पहले ही बुआई हो चुकी है, वहां अतिरिक्त बारिश का पानी जल्दी निकालने के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। तमिलनाडु में, धान, मूंगफली, दालों और मोटे अनाजों की परिपक्व फसलों की तुरंत कटाई करें और कटी हुई उपज को सुरक्षित व सूखी जगह पर रखें। धान के खेतों में अतिरिक्त बारिश का पानी निकालने के लिए मेड़ों और जल निकासी नालियों को मजबूत करें। टमाटर, मिर्च और बेल वाली सब्जियों के पौधों को सहारा (स्टेकिंग) दें। नारियल के पेड़ों के चारों ओर जल निकासी की व्यवस्था साफ रखें और पके हुए नारियल तोड़ लें।

आंधी-तूफान / तेज हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी सलाह:

- कटाई की गई उपज को सुरक्षित स्थानों पर ले जाएं या खेतों में ही उसे तिरपाल से ढक दें। कटी हुई फसलों को अच्छी तरह बांधकर ढक दें, ताकि तेज हवाओं के कारण वे अपनी जगह से हट न जाएं या उड़ न जाएं।
- बागवानी फसलों को यांत्रिक सहारा दें। सब्जियों और छोटे फलों के पौधों को खंभे या डंडे (स्टेकिंग) लगाकर सहारा दें, ताकि तेज हवाओं के कारण वे गिर न जाएं।

भारी बारिश के संभावित प्रभाव को देखते हुए पशुधन / पोल्ट्री / मत्स्य पालन के लिए सलाह:

- भारी बारिश के दौरान पशुओं को शेड (बाड़े) के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- पशुओं के चारे और दाने को सुरक्षित जगह पर रखें ताकि वे खराब न हों।
- तालाबों के चारों ओर जाली लगाकर पानी निकासी का रास्ता बनाएं, ताकि अतिरिक्त पानी बाहर निकल सके और पानी ओवरफ्लो होने पर मछलियां बाहर न निकल जाएं।

संकेत और संक्षिप्त नाम:

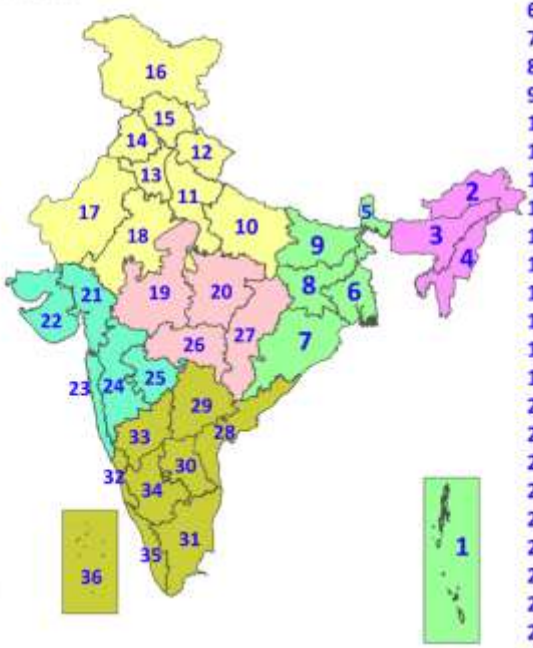
- भारी बारिश: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4 मिमी।
- Obsy: वेधशाला (Observatory); Automatic Weather Station; ARG: Automatic Rain Gauge; dist: ज़िला; NH: नेशनल हाईवे; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर वैली कॉर्पोरेशन; PTO: पार्ट टाइम ऑफिस; Aero: एयरोड्रोम; IAF: भारतीय वायु सेना।
- मौसम संबंधी उप-विभागों का क्षेत्र-वार वर्गीकरण:
- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गांगेय पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- उत्तर-पूर्व भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, तटीय महाराष्ट्र (कोंकण) और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल तथा लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *	**Heavy:** 64.5 to 115.5 mm/cm * **Very Heavy:** 115.6 to 204.4 mm/cm* **Extremely Heavy:** > 204.4 mm/cm *
Heat Wave	**When maximum temperature of a station reaches ≥40° C for plains and ≥30° C for hilly regions** **(a) Based on Departure from normal** **Heat Wave:** Maximum Temperature Departure from normal 4.5° C to 6.4° C. **Severe Heat Wave:** Maximum Temperature Departure from normal ≥6.5° C **(b). Based on Actual maximum temperature** **Heat Wave:** When actual maximum temperature ≥45°C. **Severe Heat Wave:** When actual maximum temperature ≥47°C **(c). Criteria for heat wave for coastal stations** When maximum temperature departure is >4.5°C from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature ≥37°C
Warm Night	**When maximum temperature remains 40°C** **Warm Night:** When minimum temperature departure 4.5 °C to 6.4 °C. **Severe Warm Night:** When minimum temperature departure >6.4 °C.
Cold Wave	**When minimum temperature of a station ≤10°C for plains and ≤0°C for hilly regions.** **(a). Based on departure** **Cold Wave:** Minimum Temperature Departure from normal -4.5 °C to -6.4 °C. **Severe Cold Wave:** Minimum Temperature Departure from normal ≤ -6.5 °C **(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)** **Cold Wave :** When Minimum Temperature is ≤ 4.0 °C **Severe Cold Wave:** When Minimum Temperature is ≤ 2.0 °C **(c) For Coastal Stations** When Minimum Temperature departure is ≤-4.5 °C & actual Minimum Temperature is ≤ 15 °C
Cold Day	**When minimum temperature of a station ≤10°C for plains and ≤0°C for hilly regions** **Based on departure** **Cold Day:** Maximum Temperature Departure from normal -4.5 °C to -6.4 °C. **Severe Cold Day:** Maximum Temperature Departure from normal ≤ -6.5 °C
Fog	**Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility < 1km** **Moderate Fog:** When the visibility between 500-200 metres **Dense Fog:** when the visibility between 50- 200 metres **Very Dense Fog:** when the visibility < 50 metres
Thunderstorm	**Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)**
Dust/Sand Storm	**An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.**
Frost	**Ice deposits on ground** Air temperature ≤4°C (over Plains)
Squall	**A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.** **Moderate**: Wind speed 52-61 kmph **Severe**: Wind speed 62-87 kmph **Very Severe**: Wind speed >87 kmph
Sea State	**Effect of various waves in the sea over specific area** **Rough to very rough**: Wind speed 41-62 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre **High to very high**: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre **Phenomenal**: Wind speed >117 kmph (>63 knots) & Wave height >14 metre
Cyclone	**Cyclonic Storm**: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots) **Severe Cyclonic Storm**: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots) **Very Severe Cyclonic Storm**: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots) **Extremely Severe Cyclonic Storm**: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots) **Super Cyclone Strom**: Wind speed >220 kmph (>119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)